



भारत और WFP करेंगे अफगानस्तान को गेहूँ की आपूर्ति

प्रलिस के लिये:

संयुक्त राष्ट्र वशिव खाद्य कार्यक्रम, मानवीय सहायता, खाद्य एवं कृषि संगठन, नोबेल पुरस्कार, खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट ।

मेन्स के लिये:

समावेशी विकास, भारत और उसके पड़ोसी, महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्थान, खाद्य सुरक्षा, भारत के हितों पर देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव, भारत और WFP, WFP और इसका महत्त्व ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत ने संयुक्त राष्ट्र वशिव खाद्य कार्यक्रम (WFP) के साथ 50,000 मीट्रिक टन गेहूँ के वितरण हेतु एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं, जसि मानवीय सहायता के हसिसे के रूप में अफगानस्तान भेजा जाएगा ।

- इससे पूरव अफगानस्तान पर दलिली कृषेत्तीय सुरक्षा वार्ता आयोजति की गई थी । बैठक में अफगान लोगों को 'तत्काल मानवीय सहायता' प्रदान करने का आहवान कया गया और अफगान परदृश्य पर कृषेत्तीय सहयोगियों के बीच घनषिठ सहयोग एवं परामर्श का आग्रह कया गया ।
- वर्ष 2020 में भारत ने कोवडि-19 चुनौती से नपिटने के लिये 20 टन से अधिक दवाएँ, अन्य उपकरण और 75,000 टन गेहूँ अफगानस्तान भेजा था ।

गेहूँ की आपूर्ति से संबंधति समझौता:

गेहूँ को पाकस्तान के रास्ते अफगानस्तान ले जाया जाएगा और फरवरी 2022 में कंधार में WFP अधिकारियों को सौंप दया जाएगा ।

- ईरान ने [चाबहार बंदरगाह](#) और फरि जाहेदान रेलवे लाइन के माध्यम से अफगानस्तान की सीमा पर कुछ गेहूँ उपलब्ध कराने की पेशकश की है ।

समझौते को लागू करने से संबंधति प्रमुख चतिाएँ:

- पाकस्तान से गुजरने वाला मार्ग, जसि वर्ष 2019 में भारत से होने वाले सभी नरियात के लिये बंद कर दया गया तथा केवल एक अपवाद के रूप में खोला गया है, द्वारा वर्तमान खेप के परविहन में कई हफ्तों का समय लगने की संभावना व्यक्त की जा रही है ।
- क्योंक गेहूँ को लोड करने और फरि से उसे रीलोड करने के लिये आवश्यक बुनयादी ढाँचे और शर्म को व्यवस्थति करना होगा ।
 - अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर में परविरतन और अनुच्छेद 370 के वरिध में पाकस्तान ने भारत के साथ सभी व्यापारिक गतविधियों को बंद कर दया था ।
 - इसके बाद पाकस्तान सरकार ने भारत को अफगानस्तान में नरियात करने के लिये वाघा सीमा से गुजरने की अनुमति दी थी, जसिके माध्यम से महामारी के दौरान भारत से दवाओं की आपूर्ति कराना एक अपवाद के रूप देखा जाता है ।
 - भारत ने फ्लाइट द्वारा अफगानस्तान के अस्पतालों में दवाओं और चकितिसा उपकरणों की कई खेप भी भेजी है ।

वशिव खाद्य कार्यक्रम:

- परचिय:
 - 'वशिव खाद्य कार्यक्रम' (World Food Programme-WFP) एक अग्रणी मानवीय संगठन है जो आपातस्थति में लोगों के जीवन को बचाने हेतु खाद्य सहायता प्रदान करता है, यह पोषण स्तर में सुधार करने हेतु समुदायों के साथ मलिकर कार्य करता है ।
 - इसकी स्थापना वर्ष 1961 में '[खाद्य एवं कृषि संगठन](#)' (Food and Agriculture Organization-FAO) तथा '[संयुक्त राष्ट्र महासभा](#)' (United Nations General Assembly-UNGA) द्वारा अपने मुखयालय रोम, इटली में की गई थी ।
 - यह संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास समूह (UNSDG) का सदस्य भी है, जो सतत् विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals-

SDGs) को पूरा करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों एवं संगठनों का एक गठबंधन है।

- डब्ल्यूएफपी 88 देशों को सहायता प्रदान करता है और वर्ष 2019 में इसने 97 मिलियन लोगों की सहायता की जो कविवर 2012 के बाद से सबसे बड़ी संख्या है।
- WFP को भूख से निपटने, संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में शांति के लिये बेहतर स्थिति एवं युद्ध और संघर्ष की स्थिति में भुखमरी संबंधी समस्याओं से निपटने के प्रयासों के लिये वर्ष 2020 में शांति के लिये नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

NOBEL PRIZE FOR PEACE 2020
WORLD FOOD PROGRAMME

"...For its efforts to combat hunger, for its contribution to bettering conditions for peace in conflict-affected areas and for acting as a driving force in efforts to prevent the use of hunger as a weapon of war and conflict"

HUNGER IN THE WORLD:
Around **690 million people** -- 1 in 11 -- go to bed on an empty stomach

WFP OPERATIONS...
...each year
15 billion rations
\$0.61 estimated average cost per ration
...any given day
5,600 trucks
30 ships
100 planes

People carry boxes of porridge for their children, distributed by WFP. (Zimbabwe, 2019)

...in 2019
WFP assisted **97 million people** in **88 countries**
Provided school meals to over **17.3 million children** in **50 countries**
Provided **4.2 million metric tons** of food and **\$2.1 billion** of cash and vouchers

UN organisation established in **1961**, funded entirely by contributions
Headquarters: **Rome, Italy**
17,000+ staff worldwide
90% of staff based in countries where WFP provides assistance
Over **1,000** national and international NGO partners

Source: nobelprize.org/WFP/AFP Photo/Jekesai Njikizana

AFP

■ उद्देश्य:

- डब्ल्यूएफपी आपातकालीन सहायता के साथ-साथ पुनर्वास एवं विकास सहायता पर भी केंद्रित है।
- इसका दो-तहियाई काम संघर्ष-प्रभावित देशों पर केंद्रित है, जहाँ अन्य जगहों की तुलना में लोगों के तीन गुना कुपोषित होने की संभावना होती है।
- यह रोम स्थिति दो अन्य संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के साथ मलिकर काम करता है:
 - **खाद्य एवं कृषि संगठन (Food and Agriculture Organization-FAO):** यह संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों को नीतियों के निर्माण एवं धारणीय कृषि का समर्थन करने हेतु योजना बनाने एवं कानूनों में परिवर्तन करने में मदद करता है।
 - **कृषि विकास के लिये अंतरराष्ट्रीय कोष (International Fund for Agricultural Development- IFAD):** इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब जनता हेतु बनाई गई परियोजनाओं का वित्तपोषण किया जाता है।
- भोजन तक पहुँच प्रदान करके भुखमरी को समाप्त करना।
- पोषण में सुधार एवं खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना।
- सतत विकास लक्ष्य के कार्यान्वयन का समर्थन एवं इसके परिणामों को साझा करना।

डब्ल्यूएफपी एवं भारत:

- **पृष्ठभूमि:** डब्ल्यूएफपी वर्ष 1963 से भारत में कार्य कर रहा है जो देश में अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के बाद से खाद्य वितरण से लेकर तकनीकी सहायता तक के क्षेत्र में कार्य करता है।
 - भारत में डब्ल्यूएफपी मुख्य रूप से नमिनलखित क्षेत्रों में सहायता करता है:
 - **लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली में परिवर्तन:** डब्ल्यूएफपी भारत की स्वयं की सब्सिडी वाली खाद्य वितरण प्रणाली की

दक्षता, जवाबदेही एवं पारदर्शिता को बेहतर बनाने हेतु कार्यरत है, जिससे देश भर में लगभग 800 मिलियन गरीब लोगों को गेहूँ, चावल, चीनी एवं मट्टि तेल की आपूर्ति होती है।

- **सरकार द्वारा मध्याह्न भोजन कार्यक्रम का सुदृढीकरण:** डब्ल्यूएफपी सरकारी स्कूलों के लिये मध्याह्न भोजन कार्यक्रम (Midday Meal School Programme) के तहत भोजन के पोषक गुणों में वृद्धि करने हेतु भोजन में बहु-सूक्ष्म पोषक तत्वों के सुदृढीकरण हेतु कार्य करता है।

- पायलट प्रोजेक्ट में देखा गया है कलौह तत्वों की अधिक मात्रा युक्त चावल जैसे एक ही ज़िले में वितरित किया गया था, के परिणामस्वरूप एनीमिया में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है।
- इसने केरल में शिशुओं एवं छोटे बच्चों को दिये जाने वाले भोजन में पोषक तत्वों का सुदृढीकरण कर कुपोषण से निपटने में मदद की है।

- **खाद्य असुरक्षा का प्रतिचित्रण/मैपिंग एवं नगिरानी:** डब्ल्यूएफपी ने भारत के सबसे अधिक खाद्य असुरक्षित क्षेत्रों की पहचान करने के लिये सुभेद्यता विश्लेषण और मैपिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है, जो नीति एवं राहत कार्य को उचित रूप से लक्षित करता है।

- WFP राज्य सरकार की खाद्य सुरक्षा विश्लेषण इकाई की स्थापना में गरीबी एवं मानव विकास नगिरानी एजेंसी का भी समर्थन कर रहा है, जो भुखमरी को पूर्णतः समाप्त करने के लक्ष्य की दशा में कार्यरत है।

- **भारत के लिये रणनीतिक योजना:** भारत के लिये रणनीतिक योजना (2019 - 2023) के अनुसार, WFP का लक्ष्य है:

- भारत के सबसे कमज़ोर लोगों को वर्ष भर उनकी न्यूनतम भोजन और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाना।
- वर्ष 2025 तक कुपोषण के उच्च ज़ोखमि वाले लोगों, विशेषकर महिलाओं, बच्चों और कशोरियों के पोषण में सुधार करना।

स्रोत: द हद्दि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-and-wfp-to-supply-wheat-to-afghanistan>

